

26/9/25

प्रतापनी आज पेश हुई। प्रार्थी एवं
उत्पन्न अभिमान-भावना द्वारा मैं उपस्थित
नहीं हूँ। बार-बार कई अंतरालों
में प्रार्थी एवं उत्पन्न अभिमानों को आवारा
दिमाई गई। बार-बार दिमागों में वाक्य
प्रार्थी का अभिमान उपस्थित नहीं आये। उत्पन्न
बाद ऐसी स्थिति में प्रार्थी का

फट्टे अहकाम

(नियम 16)

मुकाम रूपवास, जिला भरतपुर

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी

बनाम

नं०

सन्

किस्म मुकदमा

नम्बर व त
अहकाम ज
हुक्म की
में जारी

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज

प्रार्थना पत्र अदम हाजिरी खत अदम परवी
में खारिज भिजा जाता है। पत्रावली केसल
शुमार होकर नम्बर से बस हो।

दारिगम दफतर हो

ish